

CG Board Class 8 Hindi Solutions



CGBSE Class 8 Hindi Solutions

Chapter - 10

प्रवास

अभ्यास :

पाठ से :

Page no : 53

प्रश्न 01 : प्रवासी चिड़ियाँ किन्हें कहते हैं? वे यात्राएँ क्यों करती हैं ?

उत्तर :- चिड़ियों की कुछ प्रजातियाँ वर्ष में एक या दो बार एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करती हैं ,इन्हें प्रवासी पक्षी कहते हैं। वे गर्मी एवं जाड़े से बचने तथा प्रजनन के लिए यात्राएं करती हैं।

Page no : 53

प्रश्न 02 : चिड़ियों के प्रवास से संबंधित सबसे विशिष्ट बात क्या है ?

उत्तर :- चिड़िया के प्रवास सम्बंधित की विशिष्टता यह है, कि उनका प्रवास बिल्कुल नियमित होता है उनका रास्ता भी आने -जाने में एक ही होता है। उनकी यात्राओं की भविष्यवाणी तक की जा सकती है ,समय भी निश्चित होता है।

Page no : 53

प्रश्न 03 : मुंबई के पीलक और पतरिंगे प्रवास के लिए कब और कहाँ जाते हैं ?

उत्तर :- ये चिड़िया मई से सितम्बर के बीच में शहरी इलाके को छोड़कर थोड़ी दूर दक्षिण के पठार या मध्य भारत की ओर चली जाती है।

Page no : 53

प्रश्न 04 : चिड़ियाँ अपने प्रवास के लिए क्या-क्या तैयारियाँ करती हैं ?

उत्तर :- चिड़िया अपने प्रवास के पहले अधिक मात्रा में खाना खाती है ताकि चर्बी की एक तहसी बैठ जाए जिससे उनकी यात्रा में उनके शरीर को ताकत मिले। कुछ चिड़िया अभ्यास करना और झुंड बनाकर उड़ना शुरू कर देती हैं।

Page no : 53

प्रश्न 05 : चिड़ियों को यात्रा के दौरान किन बातों का खतरा रहता है ?

उत्तर :- चिड़िया को यात्रा के दौरान बुरे मौसम -आंधी अंधड़ आदि में फँस जाने का खतरा होता है। विशेष रूप से जब वे ऊँचाई में उड़ रही होती हैं। इसमें बहुत सी चिड़िया मर जाती है। यात्रा हमेशा कठिन और थकाऊ होती है।

Page no : 53

प्रश्न 06 : प्रवासी पक्षियों के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए किन तरीकों को अपनाया जाता है ?

उत्तर :- प्रवासी पक्षियों के बारे में जानकारी इकट्ठी करने के लिए उनकी टांगों में एल्युमिनियम के छल्ले पहनाये जाते हैं, रजिस्टर में लिखा जाता है और छोड़ दिया जाता है। छल्ला पर क्रम संख्या और पहनाने वाले का पता लिखा होता है।

Page no . : 53

प्रश्न 07 : प्रवासी चिड़ियाँ रात में ही यात्रा क्यों करती हैं ?

उत्तर :- प्रवासी चिड़िया आक्रमण से बचने के लिए रात में ही यात्रा करती हैं।

Page no : 53

प्रश्न 08 : कुतुबनुमा का क्या अर्थ है ? यह पक्षियों की यात्रा में कैसे सहयोग करती है?

उत्तर :- कुतुबनुमा का अर्थ होता है सूरज निकलने और डूबने से चिड़िया को प्रस्थान के समय का संकेत मिलता है। लम्बी यात्रा में सूरज ही उन्हें कुतुबनुमा का काम देता है। चिड़िया सूर्य के कोण के अनुसार ही मार्ग निर्धारित करती है।

Page no : 53

प्रश्न 09 : पक्षियों की प्रवास यात्रा हमेशा कठिन और थकाऊ होती है ! क्यों ?

उत्तर :- पक्षियों की प्रवास यात्रा हमेशा कठिन और थकाऊ होती है , क्योंकि प्रवास के समय चिड़िया को उड़ान काफी लम्बे समय तक भरना पड़ता है एवं दल बुरे मौसम आंधी अंधड़ आदि में फंस जाते हैं ऐसे में बहुत सी चिड़िया मर जाती है।

पाठ से आगे :

Page no : 53

प्रश्न 1 : 'प्रवास' शब्द का प्रयोग पाठ में हुआ है जिसका सामान्य सा अर्थ है परदेश की यात्रा अथवा सफर। आप अपनी प्रवास या यात्रा के लिए कौन-कौन सी तैयारी करते हैं ? एक सूची बनाइए।

उत्तर :- हम प्रवास पर जाते समय रोजमर्रा की जरूरी वस्तुएं अपने साथ रखते हैं जैसे -आवश्यक दवाईया ,सूखे मेवे ,पानी ,जरूरी कपड़े ,साबुन ,सैनिटाइजर ,अपना फोटो पहचान पत्र ,पासपोर्ट ए.टी.एम कुछ कैश आदि।

Page no : 53

प्रश्न 2 : बहुत सारी यात्राएँ कठिन और थकाऊ होती हैं, आप सब ने भी इसका अनुभव अपनी-अपनी यात्राओं में किया होगा। इसके अतिरिक्त यात्रा में और कौन से रोमांच मिलते हैं। लिखिए।

उत्तर :- प्रत्येक यात्रा का अपना एक सुखद अनुभव होता है। हर यात्रा अपने आप में कई अनुभवों को समेटे रहती है। बहुत सी यात्राएँ कठिन थकाऊ और उबाऊ भी होती हैं। मैं अपनी वाराणसी यात्रा का कड़वा अनुभव कभी भी भूलता नहीं हूँ। माघ के माह में मैं और मेरा परिवार काशी यात्रा पर गए थे। सारनाथ ट्रेन में हमारा सीट आरक्षित था परन्तु अत्यधिक भीड़ होने के कारण हमें बहुत सी परेशानिया का सामना करना पड़ा। परन्तु काशी पहुंचते ही जैसे लगा की सभी परेशानियां छु -मंतर हो गयी। गंगा माँ की आरती ने हम सब का मन मोह लिया माँ पिता जी ने हमें गंगा माँ के महत्व के बारे के कुछ सटीक जानकारी भी दी। फिर हम काशी के कुछ प्रसिद्ध मंदिर के दर्शन के लिए निकल पड़े। संकट मोचन मंदिर ,विश्वनाथ मंदिर आदि कई मंदिरों के दर्शन के उपरांत भी थकान का लेसमात्र अनुभव नहीं हो रहा था। एक अलग सा ही अनुभव प्रतीत हो रहा था। काशी की पावन माटी में आंतरिक खुशी का एहसास सभी ने महसूस किया।

ताँगा ,ऑटो रिक्शा ,पैदल और फिर रिक्शा की यात्रा का अनुभव हमें पुनः रोमांचित कर देता है सभी महत्वपूर्ण जगहों पर हमने फोटो भी खिचवाये।

Page no : 53

प्रश्न 3 : आप अपने परिवेश में तमाम तरह के पक्षियों को देखते होंगे, उनकी विविधता पर साथियों से चर्चा कर लिखिए।

उत्तर :- हम अपने आस पास के परिवेश में विभिन्न प्रकार के पक्षियों को देखते हैं मानो लगता है, कि प्रकृति के सभी मन मोहक रंग ईश्वर ने इन्हीं पक्षियों को दे दिया है तोता ,कोयला और मोर ने तो कभी न कभी हम सब के मन को आंतरिक खुशी प्रदान की होगी। मोर का मनमोहक नृत्य तोते का मनुष्य की बातें का दोहराना और कोयल की मधुर मीठी ध्वनि हमें हमेशा अपनी ओर आकर्षित करती है चिड़िया की चहचहाट अर्थात उनकी कलख ध्वनि हम सबकी सुबह अत्यंत आनंद दायक हो जाती है। ईश्वर ने पंख और उड़ने का जो सुख पक्षियों को दिया है। हम सब उस सुख से वंचित हैं ,परन्तु उन्हें आसमान में उड़ते देख हम सब स्वतः ही आनंदित होने लगते हैं।

Page no : 53

प्रश्न 4 : विभिन्न तरह के पक्षियों की संख्या लगातार कम क्यों होती जा रही है। इसके कारण क्या-क्या हो सकते हैं ? इस विषय पर शिक्षक से बातचीत कर एक आलेख तैयार कीजिए।

उत्तर :- विभिन्न तरह के पक्षियों की संख्या कम होने का कारण है अत्यधिक गर्मी का बढ़ना या अत्यधिक ठण्ड का बढ़ना। प्राकृतिक आपदाएँ की ओर सिर्फ हमें ही नहीं इन्हें भी प्रभावित करती है ये पक्षी प्रवास पर जाते समय आंधी ,अंधड़ में फँस कर अपनी जान गवा बैठते हैं। गर्मियों में इन्हें दाना -पानी का भी अभाव हो जाता है जिसके कारण इनकी मृत्यु हो जाती है। वनों का कटना समयानुकूल जलवायु का न मिलना ,सम्पूर्ण संसार में हो रहे परमाणु परीक्षण तथा शहरों में बढ़ते वाहन ,फ्रिज ,ऐसी से तापमान और वायु का प्रदूषित होना कंप्यूटर मोबाइल के टावर व आसमान में रेडियेशन किरणों के प्रभाव से भी पक्षियों की संख्या दिन प्रतिदिन कम होती जा रही है।

Page no : 53

प्रश्न 5 : बहुत से लोग कई कानूनी प्रतिबंधों के बाद भी दुर्लभ पक्षियों का शिकार करते हैं। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए जन-जागृति के कौन-कौन से तरीके हो सकते हैं? साथियों से चर्चा कर लिखिए ?

उत्तर :- पशु पक्षियों को मारना एक कानूनी अपराध है। इनके व्यापार पर रोक लगाकर हम इन्हें शिकार होने से बचा सकते हैं स्वयं की जिम्मेदारी को समझना होगा। इन्हें पर्यावरण संरक्षण से भी इनकी जिंदगी बचायी जा सकती है। पक्षी संरक्षण आंदोलन के माध्यम से हमें जन -जागृति फैला सकते हैं। इसके लिए दाना -पानी की उचित व्यवस्था हर व्यक्ति की व्यक्तिगत जिम्मेदारी होनी चाहिए तभी हम पक्षियों का संरक्षण कर सकेंगे। दुर्लभ पक्षियों के शिकार पर सरकार को कठिन से कठिन कानून भी बनाना होगा। तभी हम इन्हें जीवन -दान दे पाएंगे अन्यथा कुछ समय बाद ये पक्षी सिर्फ इतिहास के पन्नों में ही दफ़न हो जायेगा।

भाषा से :

Page no : 54

प्रश्न 1 : अजीब बात, बुनियादी सवाल, लम्बी यात्रा, ठंडे स्थान, सख्त जाड़े, प्रवासी चिड़ियाँ, जो विशेष्य - विशेषण प्रयोग के उदाहरण हैं। पाठ में इस प्रकार के वाक्यों का बहुतायत से प्रयोग हुआ है। पाठ से और भी ऐसे विशेष्य-विशेषण के प्रयोग को खोज कर लिखिए।

उत्तर :- लम्बी यात्रा -लम्बी यात्रा से पहले प्रवासी चिड़िया बहुत सी तैयारियां करती है।
प्रवासी चिड़िया -प्रवासी पक्षी अपना जाड़ा काटने भारत आतै है।
जंगली बतखे -साइबेरिया में अनेक जंगली बतखे पायी जाती है।
सैलानी चिड़िया - सैलानी चिड़िया प्रवास जरूर करती है।
छोटी चिड़िया -छोटी चिड़िया रात में उड़ना पसंद करती है।

Page no : 54

प्रश्न 2 : पाठ में विशेषण प्रयोग के एक दूसरे स्वरूप को भी देखिए जैसे कोई संतोषजनक उत्तर, जो दिमाग, उन प्रजातियों, उनका जीना, उस समय। यहाँ कोई , जो , उन, उनका आदि शब्द सर्वनाम हैं जिनका विशेषण के रूप में प्रयोग हुआ है, जिन्हें सार्वनामिक विशेषण कहते हैं अर्थात् जो सर्वनाम शब्द, संज्ञा के साथ उसके संकेत या निर्देश के रूप में आता है वह विशेषण बन जाता है। पाठ में से ऐसे और भी सार्वनामिक विशेषण के उदाहरण चुनकर स्वतंत्र रूप से वाक्य में प्रयोग कीजिए।

उत्तर :- उनकी टांगों में एल्युमिनियम के छल्ले पहना देना।
उन छल्लों पर क्रम संख्या और छल्ला पहनाने वाले का पता दिया रहता है।
रस्ते में कोई निशान अगर मिले तो उसका भी ध्यान रखती है।
शताब्दी के प्रारम्भ से ही जो तरीका अधिकाधिक प्रयोग होता आया है।

Page no : 54

प्रश्न 3 : पूर्व के अध्यायों में आपने वाक्य संचरना के बारे में पढ़ा है। पाठ से लिए गए निम्नलिखित उदाहरण को पढ़िए - “यहाँ तक तो ऐसा लगता है कि इन कठिन प्रवास यात्राओं का निश्चित महत्व है और शायद जो चिड़िया प्रवास पर जाती है उसके लिए कुछ हद तक आवश्यक भी है लेकिन उलझन में डालने वाली बात यह है कि कुछ चिड़ियाँ प्रवास पर पूर्व से पश्चिम या पश्चिम से पूर्व को लगभग उसी अक्षांश पर, लगभग उसी प्रकार के जलवायु वाले प्रदेशों में अंडे देने के लिए जाती हैं।” यह पूरा अनुच्छेद एक वाक्य का है, इस वाक्य को अलग-अलग सरल वाक्य (जिस वाक्य में केवल एक ही क्रिया हो) में तोड़कर लिखिए।

उत्तर :- (1) इन कठिन प्रवास यात्राओं का निश्चित महत्व है।
(2) यहाँ तक तो ऐसा लगता है।
(3) जो चिड़िया प्रवास पर जाती है।
(4) उनके लिए कुछ हद तक यह आवश्यक नहीं है।
(5) लेकिन उलझन में डालने वाली बात यह है।
(6) कि कुछ चिड़िया प्रवास पर पूर्व से पश्चिम तक उड़ती है।
(7) तथा पश्चिम से पूर्व तक उसी अक्षांश पर उड़ती है।
(8) उसी प्रकार से जलवायु वाले प्रदेशों में अंडे देने जाती है।

Page no : 54

प्रश्न 4 : “इन बुनियादी सवालों का अभी तक संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।” इस वाक्य में ‘संतोषजनक’ शब्द को समझिए। ‘संतोष’ शब्द में ‘जनक’ जोड़कर यह शब्द बना है। ‘जनक’ का अर्थ होता है, ‘पिता या जन्म देने वाला।’ ‘संतोषजनक’ का अर्थ हुआ ‘संतोष देने वाला।’ आप भी ‘जनक’ जोड़कर दो शब्द बनाइए और उनका अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर :- चिंताजनक :- डॉक्टर ने कहा कि मरीज की हालत चिंताजनक है।

उत्साहजनक :- यह खबर तो उत्साहजनक है।

प्रश्न 5 : 'प्रवास' शब्द 'वास' में 'प्र' उपसर्ग जोड़ने से बना है। इसका अर्थ है - कुछ समय के लिए किसी दूसरे स्थान पर रहना। नीचे 'प्र' उपसर्ग युक्त कुछ और शब्द दिए गए हैं, इनके मूल शब्द पहचानिए और अर्थ समझिए। फिर इन शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

1. प्रदेश

उत्तर :- प्रदेश (राज्य)-हम छत्तीसगढ़ राज्य में रहते।

2. प्रशिक्षण

उत्तर :- प्रशिक्षण (सिखाना):- हमने बी. एच.यु. से प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

3. प्रमुख(मुख्य)

उत्तर :- प्रमुख (मुख्य):- बेरोजगारी एक मुख्य समस्या है।

4. प्रगति

उत्तर :- प्रगति (उन्नति):- हमारा राज्य प्रगति पथ पर अग्रसर है।

5. प्रसिद्ध

उत्तर :- प्रसिद्ध (विख्यात):- छत्तीसगढ़ धान के कटोरा नाम से प्रसिद्ध है।

6. प्रचलित

उत्तर :- प्रचलित (चलन में):- समाज में अनेक कुप्रथाएं प्रचलित हैं।

7. प्रकोप

उत्तर :- प्रकोप (क्रोध) पूरे प्रदेश में पीलिया का प्रकोप व्याप्त है।

8. प्रहार

उत्तर :- प्रहार (आघात) उसने रामू के सर पर पत्थर से प्रहार किया।

9. प्रस्थान

उत्तर :- प्रस्थान (जाना):- हमें उचित समय पर प्रस्थान करना होगा।

10. प्रख्यात

उत्तर :- प्रख्यात (मशहूर):- कशी बहुत प्रख्यात नगरी है।

प्रश्न 6 : नीचे कुछ शब्द व उनके विलोम शब्द दिए गए हैं। इनकी जोड़ियाँ बनाकर लिखिए -

- प्रस्थान
- उत्थान
- कनिष्ठ
- अनिवार्य
- ज्येष्ठ
- पतन
- अनर्थ
- आगमन

- कठिन
- सरल
- अर्थ
- शहरी
- देहाती
- वैकल्पिक

उत्तर :-

प्रस्थान	आगमन
पतन	उत्थान
अर्थ -	अनर्थ
कनिष्ठ	ज्येष्ठ
शहरी	देहाती
अनिवार्य	वैकल्पिक
कठिन	सरल
वैयक्तिक	सामूहिक

Page no : 55

प्रश्न 7 : अमात्रिक वर्णों से बना एक शब्द है 'अनवरत' (अ न व र त)। इसका अर्थ है 'लगातार'। आप इन वर्णों से जितने अधिक शब्द बना सकते हैं, बनाकर लिखिए।

जैसे- अ- अजय, अचरज, असमय, अजगर आदि।

उत्तर :-

अ :- अमर, अजय, असीम, अविद्या

न :- नभ, नयन, नम्रता, नमन

व :- वंश, वन, वस्त्र, वसन

र :- रक्त, रथ, रमणीय, रस

त :- तलवार, तने, तरंग